# मां बस यह वरदान चाहिए

माँ बस यह वरदान चाहिए

जीवन-पथ जो कंटकमय हो
विपदाओं का घोर वलय हो
किन्तु कामना एक यही बस
प्रतिपल पग गतिमान चाहिए॥

हास मिले या त्रास मिले
विश्वास मिले या फाँस मिले
गरजे क्यों न काल ही सम्मुख
जीवन का अभिमान चाहिए॥

जीवन के इन संघर्षों में
दु:ख-कष्ट के दावानल में
तिल-तिल कर तन जले न क्यों पर
होंठों पर मुस्कान चाहिए॥

कंटक पथ पर गिरना चढ़ना
स्वाभाविक है हार जीतना
उठ-उठ कर हम गिरें उठें फिर
पर गुरुता का ज्ञान चाहिए॥

मेरी हार देश की जय हो

स्वार्थ -भाव का क्षण-क्षण क्षय हो
जल-जल कर जीवन दूँ जग को
बस इतना सम्मान चाहिए ॥

Source: https://www.bharattemples.com/maa-bas-yah-vardan-chahiye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw